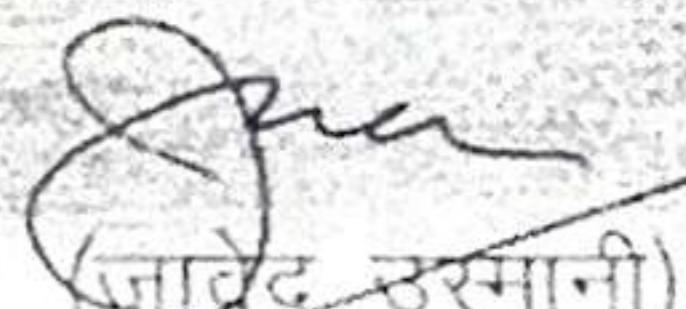


कार्यालय झाप

- उपर्युक्त के कम वै प्रतद्वारा समिति विनायक गांधी की जगह

- (5) नियन्त्रण व्यापक रूप सम्भालो का गाय करने तथा कार्यक्रम के बजासनाम की प्रक्रिया उनके द्वाइस ईमेल वा उत्तराधार सुनार का इग्निट करते हुए इन प्रकार नि नियन्त्रण मानविक्रम करना जिससे विं उनके द्वारा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति व रखच्छता कार्यक्रम का नियंत्रण, कियान्वयन तथा प्रदर्शन किया जा सके।
- (6) भूजल निकारी नियन्त्रण एवं पुनर्भरण के लिए अधिक दोहन घोल गमीर तथा अर्द्ध गमीर (डाक एवं सभी डाक) विकास खण्डों में जल आपूर्ति तथा रखच्छता कार्यक्रम की व्यवस्था।
- (7) रखच्छता पेयजल, रखारथ व रखच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत "आईईसी रेटर्जी" को "सिरजाइज" करना।
- (8) जल रिचार्ज, सरटेनविलिटी स्ट्रक्चर्स तथा जल संरक्षणों के संरक्षण से रामबन्धित भूमि सुधार कार्यक्रमों की प्राथमिकता निर्धारण एवं रामबन्धित विभागों में समन्वय।
- (9) रखच्छता पेयजल व रखच्छता कार्यक्रम से जुड़े सभी हितभागियों (Stake Holders) की अमता संबंधन किया जाना।

5— भारत सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार ग्रामीण पेयजल एवं रखच्छता सम्बन्धी कार्यों के कन्दरजेन्स की दृष्टि से उपर्युक्तानुसार निर्धारित टी0ओ0आर० (Terms of Reference) के अन्तर्गत समिति को सलाहकारी रोपाये यूनीसेफ के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।

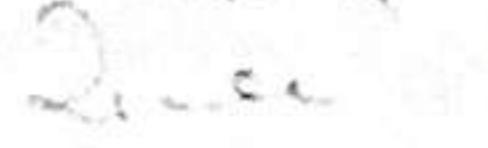


(जायप्रकाश राणनी)  
मुख्य सचिव।

संख्या ७५९ (१) / अड्डीस-५-२०१३, तददिनांक  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. समिति के अध्यक्ष एवं सदरयगण।
2. रटाफ ऑफीसर, कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन।
3. पचायती राज अनुभाग-३ / विकित्सा एवं रखारथ अनुभाग-१/लघु सिंचाई एवं भूर्गम जल अनुभाग-१/नगर विकास अनुभाग-५, उत्तर प्रदेश शासन।
4. परियोजना अधिकारी, यूनीसेफ लखनऊ।
5. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(राजीव कुमार)  
प्रमुख सचिव।